मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKE–144

कला स्नातक (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एस.के.ई.–144 : साहित्यिक आलोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक अंकित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर एक ही भाषा हिन्दी* ***अथवा*** *संस्कृत* ***अथवा*** *अंग्रेजी में दिया जाना अनिवार्य है।*

खण्ड—अ

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***आठ*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए।* 8×10=80

1. साहित्यशास्त्र का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके षड् सम्प्रदायों का वर्णन कीजिए।

2. काव्यशास्त्र के लिए प्रयुक्त विविध नामों की व्याख्या कीजिए।

3. काव्य-रचना में काव्य के कारणों की उपयोगिता विविध आचार्यों के मतानुसार कीजिए।

4. 'काव्यप्रकाश' के अनुसार काव्य-स्वरूप का विवेचन कीजिए।

5. व्यञ्जना का लक्षण और उसके प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

6. प्रमुख आचार्यों के मतानुसार काव्य-हेतु पर प्रकाश डालिए।

7. 'काव्यशास्त्र' में सम्प्रदाय आविर्भाव के कारणों की व्याख्या कीजिए।

8. 'आचार्य मम्मट का साहित्यशास्त्र में योगदान' पर लेख लिखिए।

9. आचार्य दण्डी और भामह के अनुसार काव्य क्या है ? व्याख्या कीजिए।

खण्ड—ब

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$4 \times 5 = 20$

(अ) आचार्य भामह

(ब) उत्तम काव्य

(स) अभ्यास और निपुणता

(द) पण्डितराज जगन्नाथ

(य) आर्थी व्यञ्जना

× × × × × × ×